प्रेस विज्ञप्ति

ललित कला अकादेमी मनाएगी कलाकार धनराज भगत की जन्मशताब्दि

ललित कला अकादेमी ने देश के जानेमाने मूर्तिशिल्पकार धनराज भगत का जन्मशताब्दि वर्ष धूमधाम से मनाने का निर्णय किया है। इसके तहत आगामी 20 दिसंबर(जो की उनका जन्मदिवस है) से अकादेमी के देश भर में फैले विभिन्न केंद्रों के तहत, 2018 में पूरे साल के दौरान, कला एवं मूर्तिशिल्प संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में शामिल हैं: वार्ता, व्याख्यान, वर्कशॉप एवं मूर्तिशिल्प शिविर आदि। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर भगत ललित कला अकादेमी के फेलो भी थे।

ललित कला अकादेमी के प्रशासक श्री सी एस कृष्ण सेट्टि ने बताया कि धनराज भगत समूचे उपमहाद्वीप में नवोन्मेषी मूर्ति शिल्पकार के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्होंने देसी और आधुनिक शैलियों को मिलाकर बेहद कल्पनाशील शिल्प बनाए। उनके ज्यामितीय एवं परिष्कृत आकृतियों संबंधी प्रयोगों ने उनकी कलाकृतियों में लोक एवं पश्चिमी आधुनिक शैलियों की मिश्रित झलक पेश की। वे भारत के श्रेष्ठतम मूर्ति शिल्पकारों में शामिल थे जिन्होंने दुनिया को कला में भारतीयता की विशिष्ट झांकी दिखाई। इतने महान कलाकार को सच्ची श्रद्धांजलि देकर उनकी याद को सम्मानित करने के लिए श्री सेट्टि ने भारत की सभी कला परिषदों एवं कला अकादमियों से आगामी साल के दौरान उनकी जन्म शताब्दि मनाने का आग्रह किया है।

धनराज भगत मूर्तिशिल्प की अपनी विशिष्ट शैली के लिए देश—विदेश में प्रसिद्ध कलाकार होने के साथ ही साथ दिल्ली कॉलेज आॅफ आर्ट में मूर्तिशिल्प विभाग में प्रोफेसर एवं अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने अपनी कल्पनाशीलता और विशिष्ट कलात्मक क्षमताओं की बदौलत देश में कलाकारों की अनेक पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया। अपने लंबे एवं उल्लेखनीय कला जीवन में उन्होंने नई और विशिष्ट सामग्रियों तथा दृष्टियों का प्रयोग अपने मूर्तिशिल्पों में किया। वे दिल्ली कॉलेज आॅफ आर्ट में 1947 में आजादी आने के समय से ही शिक्षक बने और 1977 में मूर्तिशिल्प विभागाध्यक्ष पद से रिटायर होने तक वहीं पढ़ाते—सिखाते रहे। उनका निधन 1988 में हुआ।

प्रोफेसर भगत का जन्म लाहौर में 1917 में हुआ था। उन्होंने आर्ट्स में डिप्लोमा लाहौर के ही मेयो स्कूल आॅफ आर्ट से हासिल किया। समूचे उपमहाद्वीप के कला इतिहास एवं कलाकार बिरादरी में उन्हें सबसे कल्पनाशील मूर्ति शिल्पकार के रूप में जाना जाता है। उन्हें अपनी विशिष्ट कलात्मक उपलब्धियों के लिए निम्न लिखित सम्मान एवं पुरस्कारों से भी नवाजा गया——

1. 1977 पद्मश्री, भारत सरकार।
2.1978 फेलोशिप ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
3.1969 प्रादेशिक पुरस्कार, साहित्य कला परिषद, दिल्ली।
4.1961 राष्ट्रीय पुरस्कार, ललित कला अकादेमीए नई दिल्ली।
5.1948 स्वर्ण पदक, अकैडमी आॅफ फाइन आर्ट्स, कलकत्ता।

6.1948,49बॉम्बे आर्ट सोसायटी अवार्ड।

7.1947,1949 प्रथम पुरस्कार, आॅल इंडिया आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स सोसायटी, नई दिल्ली।

8. 1937,1945 प्रथम पुरस्कार, पंजाब फाइन आर्ट्स सोसायटी, लाहौर।

मूर्तिशिल्पकार धनराज भगत की जन्मशताब्दि के उपलक्ष में ललित कला अकादमी नई दिल्ली में 'कला के क्षेत्र में धनराज भगत के योगदान पर वार्ता', चेन्नई केंद्र में धनराज भगत स्मारक व्याख्यान, कोलकाता केंद्र में राष्ट्रीय काष्ठकला मूर्ति शिल्प शिविर का आयोजन, लखनउ केंद्र में- धनराज भगत की शताब्दि के उपलक्ष में कला उत्सव एवं बहुआयामी वर्कशॉप का आयोजन, भुवनेश्वर केंद्र- पाषाण मूर्तिशिल्प शिविर का आयोजन और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।